वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षुओं का पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज भ्रमण

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

दिनांक 13.09.2022 को तेलंगाना राज्य वन एकेडमी, हैदराबाद से 35 वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षुओं ने पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज के भ्रमण में केन्द्र द्वारा उत्तर प्रदेश किये जा रहे वानिकी एवं पर्यावरण प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। ये प्रशिक्षु देश के चार राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक तथा महाराष्ट्र वन विभागों से तेलंगाना राज्य वन एकेडमी द्वारा दिये जा रहे 18 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हैं।

केन्द्र प्रमुख डा० संजय सिंह ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् , देहरादून के वानिकी क्षेत्र में भूमिका से अवगत कराया ।साथ ही उन्होने बताया कि केन्द्र द्वारा वृक्ष उत्पादकों एवं वन विभागों को कृषिवानिकी एवं प्राकृतिक पुनर्वास हेतु अनेक उन्नत तकनीकें प्रदान की जा रही हैं।

उप-निदेशक तथा पाठ्यक्रम निदेशक संगीता एन.आर., तेलंगाना राज्य वन एकेडमी, हैदराबाद ने वन परिक्षेत्र अधिकारियों का परिचय देते हुए वन क्षेत्र तथा शोध संस्थानों के भ्रमण के माध्यम से प्रशिक्षुओं को होने वाले लाभों से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० कुमुद दुबे ने उपस्थित प्रशिक्षुओं से वानिकी को बढ़ावा देने का आग्रह किया साथ ही केन्द्र द्वारा भूमि सुधार के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों के विषय में बताया। वैज्ञानिक आलोक यादव ने पर्यावरण संतुलन और आय को बढ़ाने में बाँस की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। डा० अनुभा श्रीवास्तव ने वन क्षेत्र तथा आय को बढ़ाने में कृषिवानिकी के महत्व पर चर्चा की तथा इनके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। अन्त में उपस्थित वन परिक्षेत्र अधिकारियों ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से वैज्ञानिकों से संवाद किया।

3/1 Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj
Indian Council of Forestry Research & Education, Dehradun

Funded by : MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION
3/1 Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj
Indian Council of Forestry Research & Education, Dehradun
LinkedIn @DoordarshanUttarPradesh
FRCE

FRCER

FRCER

वानिकी को बढ़ावा देने पर जोर

● प्रशिक्षुओं को वानिकी एवं पर्यावरण प्रयासों की दी जानकारी.

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (13 Sept): तेलंगाना राज्य वन एकेडमी, हैदराबाद से 35 वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षुओं ने पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज के भ्रमण में केन्द्र द्वारा उत्तर प्रदेश किये जा रहे वानिकी एवं पर्यावरण प्रयासों की जानकारी प्राप्त की. ये प्रशिक्षु देश के चार राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक तथा महाराष्ट्र वन विभागों से तेलंगाना राज्य वन एकेडमी द्वारा दिये जा रहे 18 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हैं.

बतायी गयी वानिकी क्षेत्र में भूमिका

केन्द्र प्रमुख डा संजय सिंह ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् , देहरादून के वानिकी क्षेत्र में भूमिका से अवगत कराया. उन्होंने बताया कि केन्द्र द्वारा वृक्ष उत्पादकों एवं वन विभागों को कृषिवानिकी एवं प्राकृतिक पुनर्वास हेतु अनेक ऊन्नत तकनीकें प्रदान की जा रही हैं. उप-निदेशक तथा पाठ्यक्रम निदेशक संगीता एनआर ने वन परिक्षेत्र अधिकारियों का परिचय देते हुए क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से प्रशिक्षुओं को होने वाले लाभों से अवगत कराया. वरिष्ठ वैज्ञानिक डा कुमुद दुबे ने उपस्थित प्रशिक्षुओं को वानिकी को बढ़ावा देने का आग्रह किया साथ ही केन्द्र द्वारा भूमि सुधार के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों से भी अवगत कराया. वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने पर्यावरण संतुलन और आय को बढ़ाने में बाँस की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया. वरिष्ठ वैज्ञानिक डा अनुभा श्रीवास्तव ने वन क्षेत्र तथा आय को बढ़ाने में कृषिवानिकी के महत्व पर चर्चा की तथा इनके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला.

प्रयागराज 3
अमृत प्रभात
प्रयागराज, बुधवार 14 सितम्बर 2022

40 के सापेक्ष 36

प्रयागराज (नि.सं.)। प्रयागराज
रिक्त आवासीय भूखंडों का आव
लिये 31 जुलाई तक आवेद
की जांच की गई, जि
आरएस वर्मा (से
सदस्य एवं पा
में सम्म
चक

वानिकी व पर्यावरण प्रयासों की हासिल की जानकारी

प्रयागराज (नि.सं.)

तेलंगाना राज्य वन एकेडमी, हैदराबाद से 35 वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षुओं ने पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज के भ्रमण में केन्द्र द्वारा उत्तर प्रदेश किये जा रहे वानिकी एवं पर्यावरण प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। यह प्रशिक्षु देश के चार राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक तथा महाराष्ट्र वन विभागों से तेलंगाना राज्य वन एकेडमी द्वारा दिये जा रहे 18 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हैं। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के वानिकी क्षेत्र में भूमिका से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि केन्द्र द्वारा वृक्ष उत्पादकों एवं वन विभागों को कृषिवानिकी एवं प्राकृतिक पुनर्वास के लिये अनेक उन्नत तकनीकें प्रदान की जा रही हैं। उप-निदेशक तथा पाठ्यक्रम निदेशक संगीता एन.आर. ने वन परिक्षेत्र अधिकारियों का परिचय देते हुए क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से प्रशिक्षुओं को होने वाले लाभों से अवगत कराया। वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे ने उपस्थित प्रशिक्षुओं को वानिकी को बढ़ावा देने का आग्रह किया साथ ही केन्द्र द्वारा भूमि सुधार के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों से भी अवगत कराया। वैज्ञानिक आलोक यादव ने पर्यावरण संतुलन और आय को बढ़ाने में बांस की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने वन क्षेत्र तथा आय को बढ़ाने में कृषिवानिकी के महत्व पर चर्चा की।

प्रशिक्षुओं ने ली वानिकी-पर्यावरण की जानकारी

भ्रमण

तेलंगाना राज्य वन एकेडमी के वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षु पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र पहुंचे। ● हिन्दुस्तान

प्रयागराज, संवाददाता। तेलंगाना राज्य वन एकेडमी के 35 वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षु के रूप में पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र में भ्रमण पर आए। प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारियों ने वानिकी एवं पर्यावरण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

चार राज्यों का भ्रमण तेलंगाना राज्य वन एकेडमी की ओर से दिए जा रहे 18 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल है। उसी के तहत तेलंगाना राज्य वन एकेडमी के प्रशिक्षु देश के चार राज्य उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और महाराष्ट्र वन विभाग का भ्रमण कर वन की कार्य प्रणाली की जानकारी हासिल कर रहे हैं। प्रयागराज स्थित पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र के प्रमुख डॉ संजय सिंह ने प्रशिक्षु अधिकारियों को केंद्र सरकार की पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के वानिकी क्षेत्र में भूमिका से अवगत कराया। बताया कि केंद्र की ओर से वृक्ष उत्पादकों एवं वन विभागों को कृषिवानिकी एवं प्राकृतिक पुनर्वास के लिए कई उन्नत तकनीकें प्रदान की जा रही हैं। उप-निदेशक तथा पाठ्यक्रम निदेशक संगीता एनआर, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दुबे, आलोक यादव, डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने विविध जानकारी दी।

तेलंगाना राज्य वन एकेडमी के अधिकारियों ने पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान का किया भ्रमण

प्रयागराज।तेलंगाना राज्य वन एकेडमी, हैदराबाद से 35 वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षुओं ने पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज के भ्रमण में केन्द्र द्वारा उत्तर प्रदेश किये जा रहे वानिकी एवं पर्यावरण प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। ये प्रशिक्षु देश के चार राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक तथा महाराष्ट्र वन विभागों से तेलंगाना राज्य वन एकेडमी द्वारा दिये जा रहे 18 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हैं । केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् , देहरादून के वानिकी क्षेत्र में भूमिका से अवगत कराया ।साथ ही उन्होने बताया कि केन्द्र द्वारा वृक्ष उत्पादकों एवं वन विभागों

को कृषिवानिकी एवं प्राकृतिक पुनर्वास हेतु अनेक उनन्त तकनीकें प्रदान की जा रही हैं। उप-निदेशक तथा पाठ्यक्रम निदेशक संगीता एन.आर. ने वन परिक्षेत्र अधिकारियों का परिचय देते हुए क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से प्रशिक्षुओं को होने वाले लाभों से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 कुमुद दुबे ने उपस्थित प्रशिक्षुओं को वानिकी को बढ़ावा देने का आग्रह किया साथ ही केन्द्र द्वारा भूमि सुधार के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों से भी अवगत कराया। वरिष्ट वैज्ञानिक आलोक यादव ने पर्यावरण संतुलन और आय को बढ़ाने में बाँस की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने वन क्षेत्र तथा आय को बढ़ाने में कृषिवानिकी के महत्व पर चर्चा की तथा इनके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। अन्त में उपस्थित वन परिक्षेत्र अधिकारियों ने प्रशनेत्तर के माध्यम से वैज्ञानिकों से संवाद किया।

हैदराबाद से 35 वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षुओं ने प्रयागराज का भ्रमण कर ली जानकारी

हैदराबाद से आये वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षुओ की टीम

जनसंदेश न्यूज

प्रयागराज। मंगलवार को तेलंगाना राज्य वन एकेडमी, हैदराबाद से 35 वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रशिक्षुओं ने पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज के भ्रमण में केन्द्र द्वारा उत्तर प्रदेश किये जा रहे वानिकी एवं पर्यावरण प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। ये प्रशिक्षु देश के चार राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक तथा महाराष्ट्र वन विभागों से तेलंगाना राज्य वन एकेडमी द्वारा दिये जा रहे 18 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हैं । केन्द्र प्रमुख डा० संजय सिंह ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् ए देहरादून के वानिकी क्षेत्र में भूमिका से अवगत कराया। साथ ही उन्होने बताया कि केन्द्र द्वारा वृक्ष उत्पादकों एवं वन विभागों को कृषिवानिकी एवं प्राकृतिक पुनर्वास हेतु अनेक उन्नत तकनीकें प्रदान की जा रही हैं। उप.निदेशक तथा पाठ्यक्रम निदेशक संगीता एनण्आरण् ने वन परिक्षेत्र अधिकारियों का परिचय देते हुए क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से प्रशिक्षुओं को होने वाले लाभों से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० कुमुद दुबे ने उपस्थित प्रशिक्षुओं को वानिकी को बढ़ावा देने का आग्रह किया साथ ही केन्द्र द्वारा भूमि सुधार के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों से भी अवगत कराया। वरिष्ट वैज्ञानिक आलोक यादव ने पर्यावरण संतुलन और आय को बढ़ाने में बाँस की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० अनुभा श्रीवास्तव ने वन क्षेत्र तथा आय को बढ़ाने में कृषिवानिकी के महत्व पर चर्चा की तथा इनके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। अन्त में उपस्थित वन परिक्षेत्र अधिकारियों ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से वैज्ञानिकों से संवाद किया।